

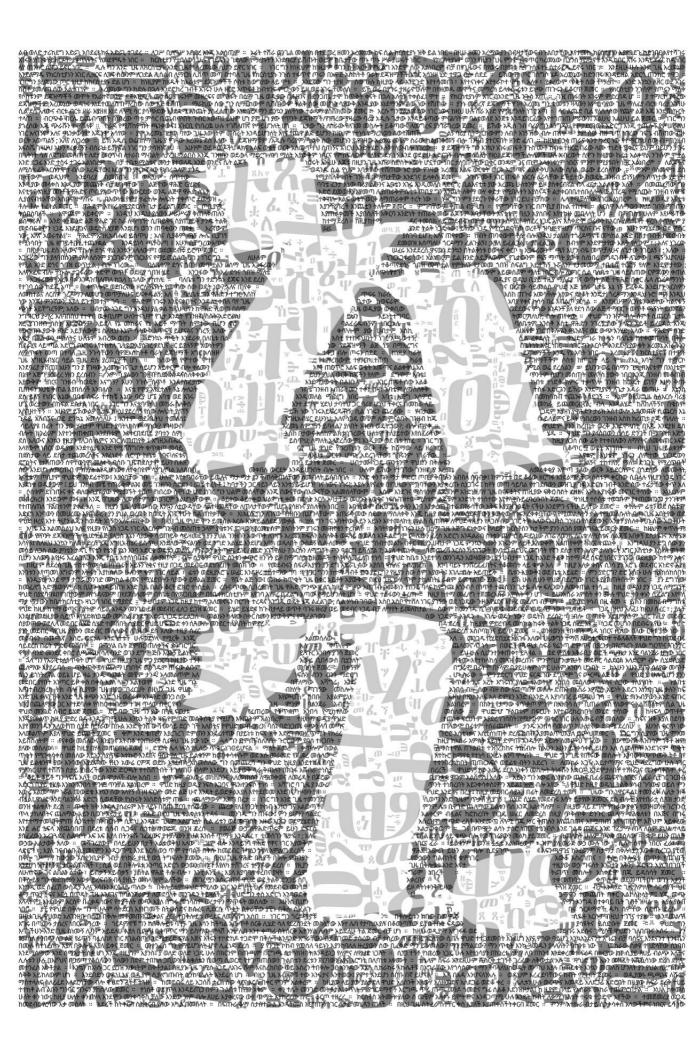


THIS IS AN EXTRACT OF

# THE BOOK OF ETHIOPIA PERO DA COUILHĂ'S HORNBOOK

A PALIMPSEST IN 33 FIDELS AND 13 MONTHS

MORE INFO: UTHIOPIA.COM



ታ አፍንጫዋንና አፋን በመፋር መጠንመና ቀርበብብን አለኝ በ መጠንመና ቀርበብብን አለኝ በ ተ የሚተን ያመ ነው። አንድ ሁለት ጊዜ ጉርሞው አብር የማተታነዘና ሥራንል ፣ አላቸው ። ብለም ወያ ምንፈውን የመገር የማተታነዘና ሥራንል ፣ አላቸው ። ብለም ወያ ምንፈውን የመገር የመተታነዘና ሥራንል ፣ አላቸው ። አነሱ ነቸ ው ትላከቱ በአንተት የርት ተጠከራልን አንግዲ አላድ; አላቸው !። አነሱ ነቸ ው ትላከቱ በአንተት የርት ተጠከራልን አንግዲ አላድ; አላቸው !። አነሱ ነቸ የን የበታማ ነው። የአመር ነው። አለድ አለድ; አላቸው !። አነሱ ነቸ የአንዘንም ነውደ ላያገኝ አመነውን አነር ነበ ። በመን ለበቀነድ ነዋ የነው ማክበርና የማተመል አሳድናን ማለተና አውቂና ይነብ በተመ ማክበርና የማተመል አሳድናን የአስተና አውር ነው። THE ORD PROPERTY OF A CONTROL OF THE ORD PROPERTY OF THE ORD PROPE per la Marchann (1987) de la company de la c

DO THE

መልሰን 999 ከሌለበት) አንጋልብ " እንጂ ። አባትና ልጅ የሚንጠባጠ

መጠለአልነበርም = እንኳንስው ሊርስያት (ርቆትጠ
ለምራም ያያነልለበርም = እንኳንስው ሊርስያት (ርቆትጠ
አልነበር በም ታ እነርስ በማስተቸው አቋም ስለ
አትነር በም ታ እነርስ በማስተቸው አቀም ስለ
አትነር በም ታ እነርስ በማስተቸው አቀም ስለ
አትነር በም ታ እነርስ በማስተቸው አቀም ስለ
አትነር በም ታ እነርስ በማስተቸው አትነር በመመስተቸው አስነበር በመመስተቸው አስነበር በመመስተቸው አትነር መመስተቸው አትነር በመመስተቸው አትነር በመመስተቸው አትነር በመመስተቸው አትነር በመመስተቸው አትነር መመስተቸው አትነር በመመስተቸው አትነር በመመስተቸው አትነር በመመስተቸው አትነር በመመስተቸው አትነር መመስተቸው አትነር በመመስተቸው አትነር በመመስተቸው አትነር በመመስተቸው አትነር በመመስተቸው አትነር መመስተቸው አትነር በመመስተቸው አለር በመመስተቸው አለ አይሮተውንአባኒቲ የተገው የተገለገኝ መራሪው ውቅልበ ። ከተገራፍ ውስ የተገር ተርሰነ ነው።

"ንቻርውረብ ድር አካኒም እንደሆነ የመገኘ ነት ያስታወቀ ነገ። የደረገ እንዳላች ስቴስብ ነው።

ጀመር ። መቀጠጣቸውም ቃደ የኤዲኤዴቴ ተስቃመው አንግታቸውን ብቻ አይ ሌላብቅ አያደረጉ

አንዴማም ቅክዝባት ልቅ አይያውም ቅክብ ልቅ ተርሰነ ነው።

"የዋሴያነውና የነበነን መስራ እንደማያንለት አውቅውይኔን ብቻ ይዞተቀመጠ ቀ ጠርማገንድ ነመድ

መቀጠጥ መለገለማች መሄድ ብቻ ነው የነበር ። ሁኔ ልዕለት አንዲህ ነው

"አትን መጠብ መው ውር የአንግንና ብርድ የማይሰማው አካት ቤታንአዲታ አንድሚያንለት አውቅው ነው።

"አትን መጠብ መው ውር የአንግንና ብርድ የማይሰማው አካት ቤታንአዲታ ነው ነው።

"ከረብው ጉግ ያ ሁሉ ስራዊት ባነገር ስሻነር ብ້ንት በሩዝቀንት አትንተገመ ክብቻ ይላልል ። ያንን ኮረብታ ታላደም

ይመለስም ። አቀን አባባር አለች ። በአዲህ ብ ለእድመራ ስት ተናሩት የሚቆመጫ ያለት ማንይመመ የመለስገር ተማዳው 

# THE BOOK OF ETHIOPIA

## PÊRO DA COVILHĂ'S HORNBOOK

| <b>5</b>                       | ETHIOPIA IN 33 FIDEL CH<br>Manuel de Guèz, An Introducti                   |   | <u>ह</u>                        |  |  |
|--------------------------------|--|---|---------------------------------|--|--|
| <b><u>ह</u></b>                | Anamnesis of Cornu de Lenclos<br>An Encomium, 84 Yves-Marie Stranger       |   |                                 |  |  |
| <b>E</b>   <b>T</b>   <b>T</b> | How I весяме an Aвуззіпіan Postman<br>An Exordium, ву Cornu de Lenclosับอั |   |                                 |  |  |
| <u>Ø</u>                       | Pêro da Covilha's Horne<br>Astergwami: the Interpreter's                   |   |                                 |  |  |
| <u>}</u>                       | Сымвіна <b>LЄ М</b> онт <b>Қ</b> ақа<br>А Сора                             |   | 319                             |  |  |
|                                | L LIKE / L LIKE NOT (CORNU DE LENCLOS)                                     |   | 319                             |  |  |
| <b>2</b>                       | Μαπυει σε <b>G</b> υἐz' Copyec<br>Τηε Αεγεειπίαη <b>S</b> γιιαεακι         |   | .334                            |  |  |
| •                              | THIRTEEN MONTH   | IS OF SUNSI   | HINE                            |  |  |
| MÁ<br>T'E<br>HE<br>TA<br>TIF   | PREAMBLE 8V RAS PETROS54<br>ÄSKÄRÄM (መስከረም)                                | ጠቨGABIT (መጋቢት)<br>ጠIVAZVA (ሚያዝያ)<br>GENBOT (ግንቦት)<br>SÄNE (ስኔ)<br>ዘΑጠԼE (ሐምሌ)<br>NÄHASE (ነሐሴ)<br>P'AGUME(ጳጉሜ) | 202<br>223<br>242<br>264<br>283 |  |  |

# — 33 FIDEL — ENCYCLOPAEDIA — CHARACTERS ABYSSINICA

| LUCY :- V                | 53           |
|--------------------------|--------------|
| Cosmas :- A              | 61           |
| ELSEPATH :- A            | 69           |
| €wostewos :- ø           | <b>.77</b>   |
| Menfus Kiddus :- v       | 85           |
| TSHAFI CALAMAWERK :- Z   | <b>9</b> 3   |
| ALESSANDRO ZORZI :- A    | 101          |
| ARAB FAQUIH :- 77        | 109          |
| Luis D'Urreta : + +      | 117          |
| Bermudez :- n            | 125          |
| Umm Delombera : +        | 133          |
| L€On€ :- 7               | 141          |
| GREGORIOS : 1            | 149          |
| Samuel Johnson : 1       | 15 <i>7</i>  |
| ZERA VACOB :- 7          | 165          |
| BERHANE MOGESSE :- h     | 1 <b>7</b> 3 |
| THEODROS (KING) :- h     | 181          |
| Ацем-Аченои :- Х         | 189          |
| Munziger Pasha → ø       | 197          |
| RIMBAUD : 0              | <b>2</b> 05  |
| CAPITAINE CLOCHETTE :- H | <u>2</u> 13  |
| ITGUE TAITÛ : Z          | 2ኒ1          |
| THEODROS (MONK) :- P     | 229          |
| Evon Boghassian :- £     | 237          |
| VASSU - Z                | <b>ኒ4</b> 5  |
| Baron Byron :- 1         | 253          |
| Emanuel : m              | 261          |
| Hugo Pratt :- ጨ          | 269          |
| Sylvia Pankhurst : A     | 277          |
| TINTIN :- 8              | 285          |
| LEONARD COHEN: 0         | <b>ኒ9</b> 3  |
| Mengistu = 4             | 301          |
| ELEBAT :- T              | 309          |

| KUS AAASU   |   |
|---|---|
| RIMBAUD   | 57  |
| THE THREE DAY PRESIDENT   | 6   |
| L€6UA   |   |
| MENTEWAB  |   |
| A PEASANT I AM  | 79  |
| SABA IN SINAÎ   |   |
| TWELVE ABYSSINIAN CAESARS   | Δ   |
| BALTHAZAR THE MAGUS   |   |
| RHTHHTHK THE IIIHGUS  | 96  |
| EMEWAYASH   | 99  |
| A LETTER FROM FASSILIDES  |   |
| OUT OF ETHIOPIA   | 110   |
| JAH RASTAFARI!  | 114   |
| YASSU   | 119   |
| I WAS BORN ALI  | 123   |
| A LETTER FROM PEDRO PAEZ  | 128   |
| MY ROAR IS HEARD  |   |
| THE MONK BARHEY   |   |
| A BIR FOR A BULLET  | 145   |
| ABOL, TONA, BARAKA  | 150   |
| ENGINEER ILG  | 15.4  |
| FRUMENTIUS  | 134   |
|   |   |
| INJERA  | 163   |
| ZAMOSCRACTOS  | 169   |
| LUCY  |   |
| NAZARENA  | 179   |
| TITIZITI GITTIIIII  |   |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 185   |
| PORTUGUESE KNIGHTSABA   | 185<br>194  |
| PORTUGUESE KNIGHTSABATIGGIST  | 185<br>194<br>199   |
| PORTUGUESE KNIGHTSABATIGGIST  | 185<br>194<br>199   |
| PORTUGUESE KNIGHTSABATIGGIST  | 185<br>194<br>199   |
| PORTUGUESE KNIGHT<br>SABA<br>TIGGIST<br>A JEW, THEV NOW CALL ME<br>A FOREIGNER.         | 185<br>194<br>199<br>202                                  |
| PORTUGUESE KNIGHT<br>SABA<br>TIGGIST<br>A JEW, THEV NOW CALL ME<br>A FOREIGNER.         | 185<br>194<br>199<br>202                                  |
| PORTUGUESE KNIGHT SABA TIGGIST A JEW, THEV NOW CALL ME A FOREIGNER LÉOPOLD ABEBE GEDEON | 185<br>194<br>207<br>208<br>21                            |
| PORTUGUESE KNIGHTSABA   | 185194202208215255  |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 1851942052082125  |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 185194205216215236236                                     |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 185194205208215256236                                     |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 1851942072108215235235236                                 |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 185194205208215230235236245                               |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 185194205216215236236245246254                            |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 1851942022108210230230230245249246                        |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 1851942052108215230230245246254254                        |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 1851942052108215230230245246254254254254                  |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 1851942052108215230230245246254254254254                  |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 185194208210215230230245254254254254254254254254254254254 |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 18519420821082130233243254254254254254254254254           |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 18519420821082130233245254254254254254254254254254        |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 18519420821082130233245254254254254254254254254254        |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 18519420821082130233245254254254254254254254254254        |
| PORTUGUESE KNIGHT   | 18519420821082130233243254254254254254254264273273273273  |

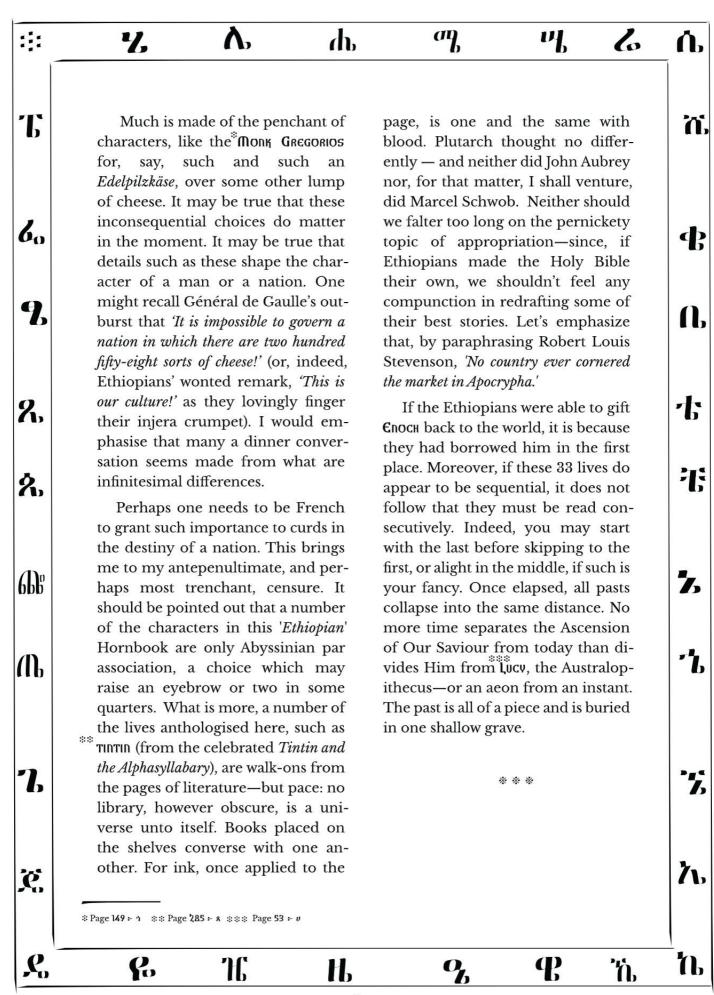


#### U M W dı T Manuel de Guéz 'n An Introduction ф 6. OW CAN ONE BE ETHIOPIAN? How can one be Ethiopian? What is a man for that matter? What is it That was always the urgent question of Jean-Michel that makes the fibre of an English-A Cornu de Lenclos in the lands of the woman or an Inuit teenager? Should **ETHIOPS.** A burning interrogation, to we still say that in Merrie England which de Lenclos attempts to prothey prize their ale and that the vide an answer in the biographical maidens are rosy-cheeked, while in 2 小 sketches that ensue. 'The most hand-Ultima Thule they have a predisposisome of men,' Homer told us, were the tion for whale blubber and like to renatives of this land of burnt facestire under domes of ice? Of course, for thus, from the word Αίθιοπία, was in this day and age, Eskimo, English the cognomen Ethiopia derived. In and Ethiopian alike squeeze out Col-2 # those olden times, the land was a gate onto the same acrylic brush. suitably far-away location for the Did the Inuit even have Greek polis. teenagers, before global warming began to melt down their abodes of 66 ice? Did the English truly dance × × × around Maypoles and eat beef stew -before making tandoori chicken ETHIOPIA PROVIDED, FOR HEROtheir national dish? I find it hard to DOTUS, 'THE place the Gods disport judge on these matters, as they are themselves to sip mead on the Mountains M composed in equal parts of hearsay of the Moon...' And before early histoand ex-post facto thinking. rians begin to gossip apropos the In sooth, the characters of former ichthyophagi and the troglodytae, the times are playthings to us, silhoubrave Perseus will deliver Anettes that we pin to the stage to dedromeda on the Red Sea shore from mean or enlarge, according to the the monster Cetus—a myth prefigurneeds of the day. We are constantly ing Saint George slaying the dragon: reshaping the past to mirror what we Saint George, the patron saint of wish to see today. England—and, of course, 9 Ethiopia. × × × H 0 **(D)** H 'n

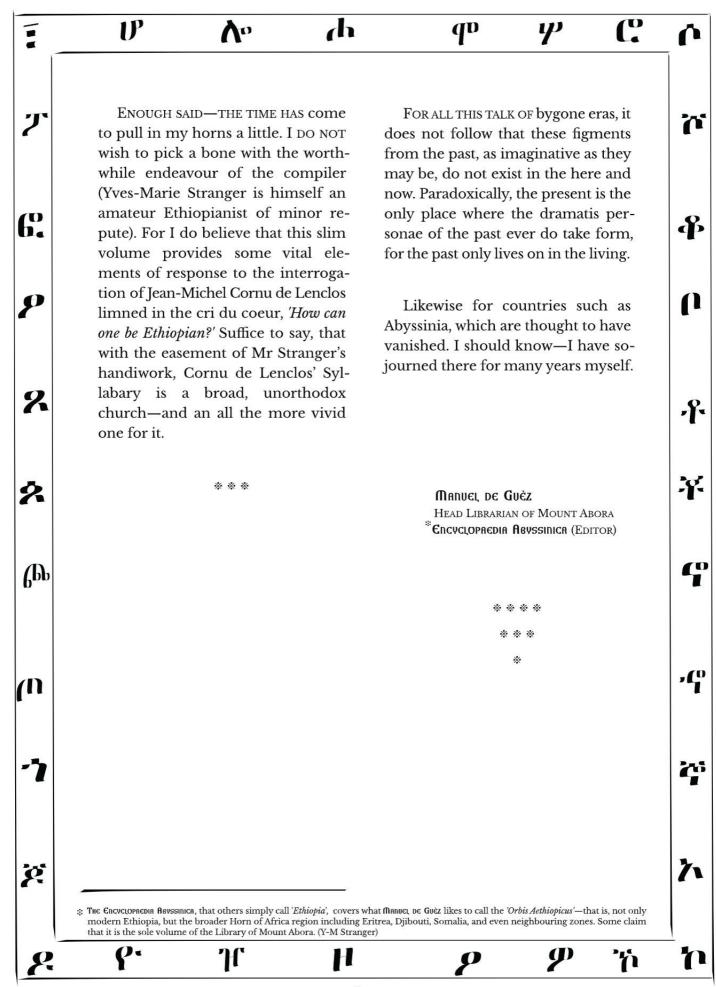
ሩ ሱ U D Dh γ. di-F HISTORY IS NOT MERELY A collection Ethiopian lives)? I should, at this 'n. of great men (as a great man once early juncture, sheepishly confess said). However, in that case, what we that I know nearly nothing of this should wish to know is-did that people, nor of the characters that personage like his eggs sunny side would compose it. Perhaps, you will up, or would he rather have them better understand if I say that I could 42 soft-boiled with soldiers on the side? no more vouch for an understanding 4. Was he of a quick temper or of an of George Washington or Diogenes easy disposition—and what made Teufelsdröckh-or Queequeg, for him hold this belief that the greats that matter—any more than I can O. U. are not the swivel around which hispretend to be able to read the state of mind of King Theodoros or that of tory gyrates? (Not, mark you, that I the Lebashai Bariaw." am adamant in seeking out this particular man's odium for his strict wet Timeless Abyssinia no longer ex-2. -13 nurse and make of this early trauma ists. In recent decades, Ethiopia has the kernel around which Thomas been impelled forward, as though in Carlyle—for it is he—formed his a motion picture sped up. The land opinions. In reality, these matters where time stood still, embalmed in 2 43 are so complex, so entwined with poverty, in which you could imagine happenstance that all we can know is having sighted a fragment of Old Isthat we shall never fully know.) rael and walking in the footsteps of Nevertheless, if great characters biblical prophets, is no more. do not make history, then who does? 666 Encompassed on all sides by the ene-It should be the unsung multitude: mies of their religion, the Æthiopians the yeoman bent on his plough in slept near a thousand years, forgetful of not-so-merry England, together the world by whom they were forgotten.' with his ailing wife beset by painful Two thousand years of history have M childbirth, and the Eskimo who has been steamrolled by power lines, hyno taste for snow and pines for sundroelectric dams, and Chinese gadnier climes. And, why not, a fair gets. Ethiopia has decisively strutted sprinkling of a few illustrious men, onto the world stage, no longer a and women, too, for good measure. backdrop for tattered myths, but a 7. Yet, what of the Ethiopian? I hear powerhouse in the making. And if it you say. What of the swarthy does seem that the autarkic kingdom Abyssinian and his unique ways, and I first travelled to is fast becoming another strand of the same brush the strange lands he inhabits — the land of Sheba, Solomon and the Ark of that is painting the world of one C *ነ*ነ the Covenant (for this is where the colour-well, so be it. \$ A character who appears in the syllabary on page 181 :- h \$ \$ Page 261 ⊱ m H ፝ኯ P H **D.** O

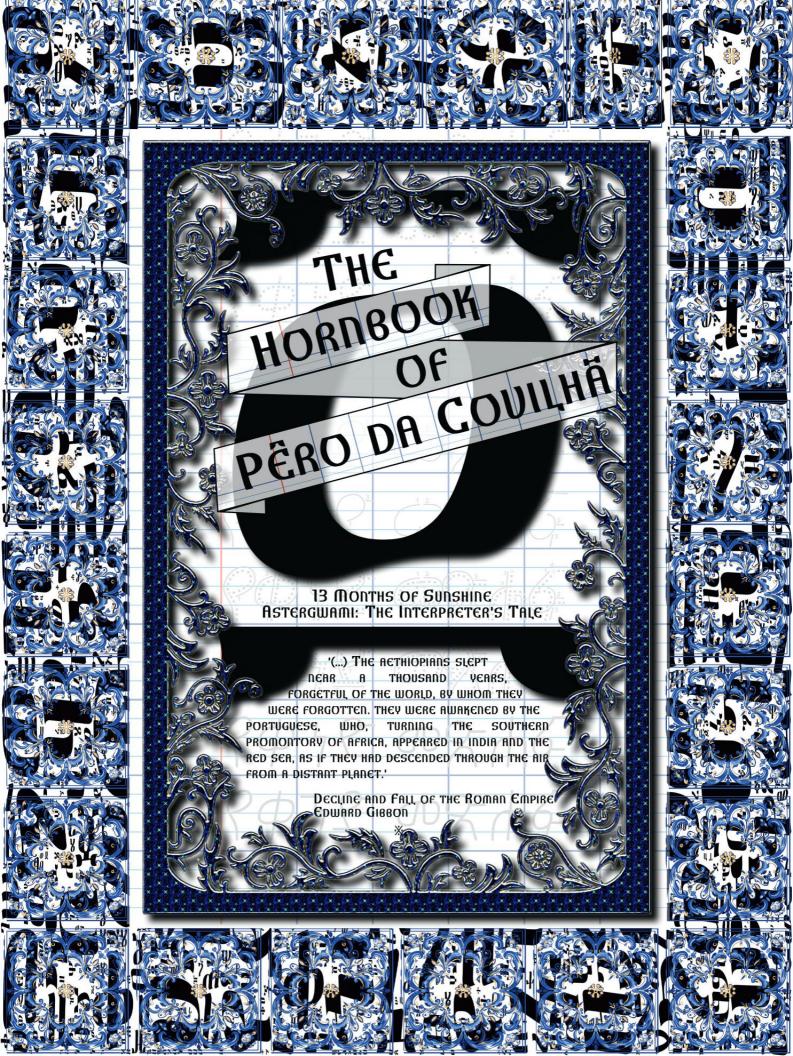
X σq. Ψ. 6 4. Λ. dı. Λ. For if Ethiopia seemed of a bibli-These new Ethiopians have Т. 'n. cal essence, and if it did possess grown up under the aegis of the something different, it should be un-Fairy Electric. They pack Smartderlined that its one defining trait phones in their pockets. McDonald's was indigence. Famine, low life ex--and Facebook, Chris Rock and pectancy, a near-total lack of health Taylor Swift—are household names. P. 6, The monster Cetus, Emperor Zera care, and a dearth of modern educa-VACOB and QUEEN MENTEWAR, are not. tion, save for the moneyed elite (which, for peddling stories about One can therefore wonder, not biblical bloodlines, was mindful of A. only at the question of what is an securing Western scholarships for its Ethiopian, but if there ever was such offspring). a thing. For nations are similar to the While Ethiopia itself, the plot of fabled knife, that remained sharp 2. real estate located in the Horn of after being in use for two thousand 4: Africa, has of course not changed its years (the handle was refashioned, bearings, the people that live there then the blade-and this ad infinithe old Abyssinians—are seeking to tum.) And yet we would like to bebecome less other every day. Today's lieve that we are one and the same as Æ 2. Ethiopians are more similar, less rethe people of yore. In this view, the English are, at all times, the English, mote, and more likely to eat the same foodstuffs as the rest of huand the Ethiopians are, and always manity than ever before. And thiswere, the Ethiopians. And we conas we take note of those care centres, tinue to carve up our history with 661. those plummeting infant mortality this blade, not realising that it is our rates—is surely a good thing. razor-sharp utensil—our inward eye -that is forever refocusing on the needs of the present. We only delve 7 M. \* \* \* into the abyss of time to shed light on our present predicament-And I would vouch to say, that the English For if history is not made by the freeholder, the Inuit of Ultima Thule famous, it is made by the multitudes and the Abyssinian never did exist--and multitudes are what define 7. or if so, never in any form that we contemporary Ethiopia. The coun-7. could unravel. The past is not only a try, numbering around five million foreign land; it is a country peopled people in the time of Emperor Meneby foreigners. цк, has now more than one hundred and twenty million citizens, with a P h. median age of eighteen. \* \* \* Page 306 of the 'Encyclopacdia Abussinica' (Constantinos I) \* S Page 173 - A (Berhane Mogesse) 9. P. H. 'n. H. 4

la dh TO THE QUERY, HOW CAN one be ing a bull in the Ethiopian crockery 'n shop. As to the element of veracity, Abyssinian?' I lay down for you the bare bones of the story of one ZAGAand to whether the characters laid CHRIST, an Abyssinian grandee hailed down in these pages were birthed by in the literary salons of Paris in the women of blood and flesh, or 1630s. How Zaga-Christ reached whether their hearts pump with ink, ቃ France from his motherland reis a moot point, and not a very useful mains unclear. Nonetheless, he cut a one-de toute façon, la mort a fini glamorous figure, and to all who les débats, n'est-ce pas? So, I shall not would listen—and they were many wade into the debate upon the menhe proclaimed himself the true heir equilibrium tal of **Emperor** to the throne, forced into exile by a THEODOROS or the ethics of the kidusurper. napping of his one and only child. THEODOROS had several offspring, We do not know in any manner if some of whom fared well in Ethiopia the tale recounted by ZAGA-CHRIST was 2 after their father's quietus. Yet not true. Not that it matters, as the epione figures in posterity's roll-call. taph engraved on his tombstone Who sings your praises, Ras Meshesha seems to blithely admit. You can still THEODOROS of Dembia? Who tends to \*visit this grave, in the cemetery of 2 your grave, Princess ALTASH THEO-Rueil, close to Paris: Ci-gît Zaga-DOROS, first betrothed of King Meneuk CHRIST King of Ethiopia, the original or the Second? the copy—De toute façon, la mort a fini les débats. What has been laid down A for posterity, etched in stone, is the Nor shall I quarrel with the likelistory the man held dear, together hood of Sylvia Pankhurst picking up with his bones, which, royal or not, her distaste for democratic politics must now be dust. in the family pantry-although it **6b**) Which is why I can only applaud, does seem rather preposterous that with a trifecta of reservations, the the lady ever harboured such a disinclination for universal suffrage, as worthwhile attempt of Jean-Michel Cornu de Lenclos to etch a number Ms Pankhurst was foremost, before of Abyssinian lives for posteritybecoming an ardent Ethiopianist, an even though I fear the author's ap-English suffragette, and presently proach to some of these characters, occupies a choice position in the Ochitherto only known for their hacidental synaxarium of secular giographies, is somewhat akin to besaints. While I (Y-M Stranger) shall defer to Минисі, ре Guèz on matters of lexicology, historical exactitude demands a small correction here: Zuga-CHRIST was buried inside the Church of Saint-Pierre-Saint-Paul of Rueil-Malmaison; but revolutionaries, 'emptying coffins of their contents', vandalised the edifice in 1792, erasing all physical evidence of the prince's burial. There is a portrait of Zega-Christ, painted by the famed still life artist Giovanna Garzoni in 1635. \*\* Page 277 - A Sylvia Pankhurst's greatest impact on Ethiopia was without doubt her son, Richard Pankhurst, an historian specialising in Ethiopian studies who wrote extensively on all things Ethiopian. (A-tongue- in-cheek commentator once proposed that the proper definition of Ethiopian studies be 'anything written about or prefaced by Richard Pankhurst') P H



U Ъ The readers will then simply omit FINALLY, THERE IS THE NOT-so-triv-7 ial matter of the choice of the lives the fanciful encomium altogether herein compiled to stand in as parts (Anamnesis of Cornu de Lenclos), as well of the whole. Although I would have as the scatological - minded Cumbing an occasional quibble, I can only LE MONT KAKA, that bookends the ficbow to the right of the author, as the tions (and no one will be the wiser if G. ф demiurge of this peculiar Ethiopian they do.) Readers may even resort to cosmogony, to shoehorn his characsolely leafing through the book, ters of choice into his volume. If using it as a sort of handy thumb insome of the lives portrayed seem dex, a mnemonic device to commit A peripheral, while others appear unto mind the main symbols of the faithful to the portraits we are famil-Abyssinian Syllabary. iar with-so be it. The single fruit Not wishing to weigh down an alborn of one man's psyche may often ready complex text, I have kept my appear as so many apples and or-\*\* editorial notes to a bare minimum. 7 2 anges to others, an uncanny assort-Besides inserting a few entries of the ment. ABVSSINICA to provide **€**ncyclopa€dia readers some counterpoints, my interventions mostly consist in a light 2 × × × sprinkling of footnotes to illuminate some of the more esoteric characters. I have also suppled a bare-bones translation to the historical 'graffiti' YVES-MARIE STRANGER, THE SUB-6Jb scratched onto the palimpsest when EDITOR of the work, claims an overabsolutely necessary. arching motif for this collection of Ethiopian lives that he has 'Englished' (sic)—a pattern shaped by a dead \* \* \* man's cryptic notes. I shall advise the discerning reader to use their intuition. While the writer may attempt to press-gang the readership into serving as a postman for the monody they are sending off into the ether, the public may well choose to overlook the morbid errand at hand. Manuel De Guez seems blissfully unaware that the term 'Englished' has a respectful pedigree. See, for instance, the first translation of The Lusiads into English, in 1880, that bears the subtitle 'Englished by Richard Burton'—the same author that penned First Footsteps in East Africa, on his 6 trying journey to the city of Harar. (Y-M Stranger) 🗱 My—Ո de G—other minor contribution has been to insert, alongside the entries of the Encyclopacoia Abussinica, 'Angel Eyes.' P. 000 These Ethiopian sigils, in keeping with the ever-expanding eyes in Ethiopian magic scrolls and the cherubs of the Church Debre Berhan in Gondar, suggest parallel readings and offer readers some facilitive cross-references on their journey through the Abyssinian labyrinth. S Лb





### ASTERGWAMI THE INTERPRETER'S TALE

STERGWAMI (THE INTERPRETER), is what they call me. Call me PETROS, the interpreter of tongues-he who transcribes and gives shape to the king's dreams. I come to his call and sit beside his leather-strap bed. He reclines, his cheeks pale with the pallor of death. LEBNA DENGEL, the essence of the virgin, carries more than a whiff of death over him. Emperor of Ethiopia. King of kings. The PRESTER, as he is known to us, has been running. And I with him. From deep valley to thorny desert, from mountaintop to mountaintop.

We have fled in a flurry of dust and fractious muleteers, retreating from one corner of the kingdom to another. A kingdom he still calls his own—but one he knows now only as a fugitive, a harried prey as marauding peasants stone his ragged column and the Turk with scimitar drawn and cannon at the ready takes whatever pot shots they like, desecrate church and noble women alike and carry off the plunder in continuous caravans toward the east, toward the city they call Harar. Somals, Noba, Argoba, Afar and even the black tribes of Bali that we called vassals but a fortnight ago—they all come in for the spoils following the banner of Ahmed, the left-handed one, whom they call the Imam. He is blessed by their faith, and the Turks see him as their best chance to drive the Christians from the highlands and chase us Portuguese out of the Erythraean Sea and past Bab al-Mandab back into the depths of the Indian Ocean-and thence to India they say, but not stopping there, all the way back to the skinny peninsula, whence we arose that they say—for they have books and know what came across and where they stopped —that they say where rightly theirs... And perhaps they were their lands in Al-Andalus and the Algarve, names which we have kept...

TO BE CONTINUED ON PAGE 60...

×

:::

<u>:</u>

::

:

IN THE BEGINNING, WAS A onto the landscape itself-and Lucy is legs spindly, and her arms hang low by the river banks, where she seeks out know her age, though she is old enough ished her to a distant hill, covering her leaves and blue-black berries, in hon from dawn to noon, Lucy steeps her-She is attuned to the damp smellsshe sinks into the sludge, startling she curls up is cool, and midges can skin. She loses her scent in the pond, the lurking apes. Lucy dreams of a kling stars. She sees herself lying on cent walls and on the other side of ward, measuring her up with their holding their breath themselves—as up. Lucy stirs. She is remembering sound of the crackling leaves conson fires. Lucy remembers breath through the undergrowth horned beasts are no more afraid of of brushing up against the hyenasavannah's truce. Flee as fast and you. The blaze petering out against away, abashed. The antelopes re their caves, while Lucy's clan gathers stumbled? Who is lying on the sa kin picks up a red ember and places soundly. Lucy recalls happy days in branch, squabbling with monkeys They pluck the fluff from the birds and warm as figs. The apes are are nimbler in the trees. But it is the apes back toward the forests zebra on the plain. They tear off meats as much with their fingers as bones, smashing them with rocks to She glances towards the heights to mix of cliffs, boulders and foliage plains, with their alluvium-laden and hers range, from rains to dry ters and the droughts and their fiery of the year of her blood, a dust-laced the hot tongue that precedes the ward. This wind blew even before grasses as brittle as dragonfly wings. -the black clouds on the northern eral days-the plains erupted in a cape, along with every creature of bangarang of dust, smoke, and smell of fire and a thousand beasts other. The jackal bolted alongside fled in lockstep with the baboon. inkwell, alone seemed untroubled into the mire. There only remained her nose and throat, and the fiery reof the riverbank, to remind her of Lucy never knew the exact moment gling. She never knew if she was a long sleep, in which jewels eternity. Lucy was inscribing her-

name burnished that name. Lucy's face is burnt, her her thighs. Lucy walks, upright, along frogs and nesting birds. Lucy does not to conceive. That spring, they banbody in kaolin mixed with green our of her first blood. After foraging self in the peat bogs along the river decaying leaves, gassy eruptions-as warthogs into flight. The pit in which, no longer alight on her splattered only her slight breath betrays her to shadowy cavern capped with twinher back. In front of her rise transluthis partition, phantasma press forgaze. These apparitions seem to be if they did not wish for Lucy to wake headlong races in the savannah. The sumed to a crisp during the dry sealess escapes from the inferno, crashalongside antelopes and hyenas. The Lucy and her ilk than they are fearful as long as the fire lasts. This is the as far as your legs or wings can carry a barren stretch, the animals slink treat to the thickets, the hyenas to in a clearing. Who is missing? Who vannah floor? That night, one of her it in the glade's centre. They sleep the bush-scrabbling from branch to over dove nests lined with chicks chests before biting into them, soft hardier than Lucy's kind, and they they, Lucy and her clan, who push when they discover a charbroiled shreds of skin and flesh, eating the with their teeth. They gnaw on the suck on the marrows. Lucy looks up. the west, a green and white wall, a This barrier marks the end of the rivers and vast herds, in which she season, between overflowing wathunderstorms. In the dry season simoon began to blow, Such as lick of the flame harrying you for the fire so that it made the When the sky's fire came down wall had been looming for sevsea of flames. Her tribe's es leg and wing, was desperate. A flame, filled with the acrid pressed up against one an the hyrax, while the leopard The quag, black as an amid the fury as Lucy slid the smoke seeping into flections above the trees the raging firestorm

#### LUCY

her nose stopped tir

waking or entering glittered for all

self into the

landscape—a slow transformation, for before becom-

ing a diamond, she must first be mud.

A grotto i however cramped and dank i encloses all the space required to embrace the world # And all of the unhappiness in the world transpires from man's refusal to make of his hollow the measure of all things :

### 13 MONTHS OF SUNSHINE A PREAMBLE, BY RAS PETROS

HIS IS NOT A MEMOIR or a biography in any normal sense of the word. Rather, it is a thumb sketch, an at-

tempt to recount my life and times in Ethiopia.

Indeed, taking a hint from His Majesty the Emperor HAILE SELASSIE'S memoirs — My Life and Ethiopia's Progress — I could have given it some such triumphant title.

But there are already those who think that I have at times displayed an inflated idea of my

importance in the scheme of things. I would like to tell such people that I count myself foremost among those who are underawed by my performance in this life. 'Could have done better' is the appreciation I

would scribble if I were Saint Peter handing out the report cards upon arrival in heaven —for one can always do better.

This is not to say that I have not striven to do my best at all times, nor, indeed, that I have not seen much—the very fact that I am now past the canonical age of ninety years, ensures that, by simple arithmetic, I have indeed, as the title of many a recent Ethiopian biography suggests, seen much and witnessed a lot. But quantity rarely

makes for quality. Time is a tricky concept. It is not so much that we see or experience time differently as Ethiopians, nor that other cultures, which do indeed count time differently, are essentially different in this



### ENCYCLOPAEDIA ABYSSINICA

RAS GUGSA

ATER AS I LAY ON the ground, I'd be happy to have chosen such a good day to die, and that I elected to ride my cream Bora mount, they'd brought me from Selale, and said was the spawn of an Arab stallion brought from Egypt by way of Sudan by Dedjazmatch Haile Ghiorghis' father himself. The harvests, good that year, were on the threshing grounds, the grasses had been cut, and cattle and men alike were content. It was a balmy day; the skies were sweet blue dotted with fluffy clouds and the air was full of the dance and shrieks of a few dozen kites plunging for the offal of ten bulls slaughtered on the bright green grass.

They'd chosen a man agile and young to gallop off in front of me when my turn of gugs came—and I grudgingly had to accept that, true to his world, my fisher had not done me wrong. 'Choose me some old codger who can no longer hold the reins and can't duck my spear, so I catch him immediately, and I'll have you tied to a horse that we'll whip!' I'd told him only half-joking the night before. I wanted no repeat of last year. But this young man, I could already see, would not feign or slow his horse, but already he was off like a shot and I let my Bora go. He needed no urging, good horse! The young man, grinning from behind

<sup>\*</sup> All entries from the Encyclophedia Abyssinica are from the 2007 (EC) 'Mankusa' edition.

respect. Time, for every one of us, flows at the same speed and in the same direction. We are born, and we experience certain tribulations that we call a life, our life. If we are lucky, we can use the aptitudes with

which we have been endowed by Almighty God to make some kind of contribution to the lives of our fellow citizens, that is to say, to the human beings that live on this planet together.

For we are all, first and foremost, human beings as shown by our

common ancestor LUCY,

who lived 3.4 million years ago and was discovered in Ethiopia. We Ethiopians like to say that all human beings can retrace their origin to the East of Africa, and our beautiful land of Ethiopia!

I have been blessed, not only with an eventful life but also with a life in which I was afforded the opportunity to use my God-given abilities to build, from nothing but my own ideas—and the bountiful re-

sources that lay on the ground, for all to use—the foundations of an industry that has become one of the largest employers and creators of wealth throughout the world; I am talking, of course, of tourism.

This brings me round, in a circuitous route, to the very subject of this introduction. Is it ever valid to think that one's life and times are so important, that

other people should truly like to read about them, and purchase the said book—with their hard-earned money—and invest time itself—which, we all know, in this modern day and age, is ever so precious, whatever

his shield, as he turned back to see from where would come the blunted rod, rode a thin black horse, more of a foal really, not quite threeskinny and quick, but without direction, ha! Just like his rider, I thought. No match for this wily warrior, as I came in for the close, my spear poised. As I released it aiming for the grinning young man's plain shield, I saw his smirk once last time, between the black rim of his shield and the white of the mousseline he'd tied around his head-a kite's shriek, the sweet blue sky, the fluffy clouds and I even felt the cool breeze on my nose as my faithful Bora went down. I left the saddle at the same time as I released my spear. I saw the spear closing in on the shield and my body closing in for the bright green grass, and the blue above and the kites awaiting their carrion and grisly bones. Am I, RAS GUGSA, MENE-LIK's favourite and most blessed war general, am

I to provide bones for these miserable birds, I thought to myself, and even though I was flying through the thin air like a wingless bird, I kept my eyes sharply on my spear, still following its course.

Like a spear aimed by my master Meneum, me and my mounted warriors, we kicked up the dust over the new lands we conquered at breakneck speed. Some say it were the guns we'd acquired from the foreigners—the likes of that sulky Rimbridge Still, they were often old and Abullahi from Harrar and Reba Jiffer from Jimma were well equipped and rich and had their contacts with the Turks and Egyptian and even their own foreigners. No, it was never the guns, it was my horses! Good Boras like my own from Selale, and fat well bred mounts bred in Debre Berhan and Silte on the plains that stretch down to the Jemma River canyon. We rode the south, we

the culture from which we hail—in perusing the said book and plunging into the pages of another's life? True, there are such important figures as His Late Majesty, Emperor Haile Selassie who, no doubt,

could use the aforementioned title, and not be seen as being an egotist (after all, a little egocentrism is part of the job description when it comes to being a king).

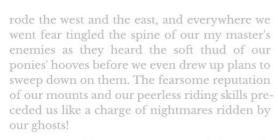
For myself, I know that my accomplishments have been quite minor—indeed, I think that I failed on all counts. The Ethiopian

tourism industry, nascent fifty years ago, when I was first entrusted with its fortunes, has not made much of an impression on the economy of Ethiopia, it sometimes seems to me.

Nevertheless, I am fast approaching my centenary—and those near 100 years have been quite eventful. I have mixed from a very early age, with many of the important and historical figures of our country, the

men that laid the foundations of the modern state of Ethiopia, in which we now live. I can also see, that the path forward is now plagued by some uncertainty, for the youth of Ethiopia, as they grapple with the distractions of all sorts of modern communication entertainment devices that they carry everywhere about them in their pockets.

What they do not seem to likewise carry around about their persons at all times with them, is that marvellous portable device that God devised in His wisdom—that is to say their heads!



I Gugsh, of late Rrs, I conquered the south, galloped into the west, and cut a swath through the east. Some rumble and say, how does an Oromo like him serve the great Menelin? What an idle question, what foolishness. Everyone knows the court is more than half our blood! Menelin's mother, I shall not speak about, for the story is as well-known as it is hush-hush, but I knew her myself as a young man, when I served in Sahie Seirssie's court in the middle years of this century, and true she was very black, as black as

coal! You can see where my good master Meneum didn't inherit his good looks! But she was sweet and she did know how to sway those pretty hips. As to his father—that rash young man—well, he was Oromo through and through of course: by his mother, his grandmother and probably his father too!

I don't understand why people talk like this, of Oromo and Amhara, as if we were anything different! What is it to me if I conquer pagans who speak my tongue and have yet to learn to be Christian? I shall subdue them and rob them of their cattle and we shall send them priests—but not too fast, lest they then prevent us from looting them, I added with a guffaw to my good master, and our alliance was cemented thus. My fearsome cavaliers and I, half of the spoils, the rest to the throne. I hear they now call me names, and a traitor to my race! As if any man

It seems to me that Ethiopians—and I speak of course here not so much of my generation, but of the young men and women who are today sixteen, twenty or thirty-five—to know where they want to go

should first know with some modicum of certainty whence they are coming. And it is in that respect, that I have yielded to the entreaties of my friends and many acquaintances to put down on paper some of the main milestones of my life.

\* This wordy preamble made; and my reader hopefully having understood that I am not proceeding with

this brief work for reasons of self-aggrandisement, I would like to put forth a further caveat. If this is indeed a biography of sorts, it in no way is an accurate portrayal of events, as they unfolded. Let me spell it out for you, and come back to the idea that the essence of time is everywhere alike. Although earlier, just a minute ago I claimed that time was ever the same, and for all people and all cultures at once, this is not quite

rue

Time will sometimes seems to expand, while at other times it can slow down to a crawl. I take as personal knowledge of this, how time used to run when I was a young man, full of energy and aspirations, making plans for the morrow that had to be carried out on the same day.

However, when I found myself impris-

oned in the dungeons of the Meneum Palace, for seven long—excruciatingly long—years, I was to discover that time, far from being linear, as I had thought it was up to that juncture, was in reality cyclical in nature,

had one race, but could not choose what to be! Ask my masters, the 'lions of Judah,' 'the kings of Israel!' King of Israel? Why not? I'll be the king of India, if I can get away with it. All I know is I have ridden my Bora well and thrust my spear into many chests and now my day has come. I charged into death as I charged through life, for my master Менецік, on a horse. It was a brilliant sunny day, Saint Mary's annual feast, near the river called Chancho. My spear, I saw it hit the shield, smack in the centre, and I was pleased, as I hit the green grass. It smelled good, of worms and creamy cow's milk and I believed I heard for a second the echo of my good Bora's hoofbeatmay it cast the fear of God into the pagans' hearts! Before I heard the crisp snap of my neck.

#### RIMBAUD

ALWAYS WAS GOING TO BOARD that steamer, bound for Aphinar. We all are of course, but mine was different—and, yes, we all think that too, if we bear to give it a thought. The steamer, gliding into the night, the phosphorescence of the waves in the moonlight, and some band playing somewhere, anywhere... off Zeila, for example, with the soft thud of the Indian Ocean waves meeting the slick wet sands of the African shore that I imagine to be warm and yet refreshing at once. When I set off for Harar and Revssinia to make my fortunes they soon said I was a weird type, a violent one who got into



<sup>3</sup> I should also point out that the prose of Ras Petros (as he styles himself), is not only wordy, but that his syntax bears the mark of a hodgepodge of inflections, from Biblical Russian to 1950s American English. It also appears that Monsieur Cornu's editing of these '18 Months of Sunshine' has perhaps been at times unduly influenced by his own native language. Added to this, and for all his purported lack of confidence in his mother tongue, Ras Petros' sentence structure is at all times highly congruent with the Amharic language. (See also '16λ't before Before: Ethiopian English to the Fore'. (Π De G, The Encyclopaedia Abyssinica) [16λ't (befeet') or, 'before' in Amharic. The similarity of the intial syllable brings Ethiopian English speakers to place the word 'before' at the beginning of sentences, thus placing 10λ't before Before ... by transposing Amharic word order into the English language]

and could slow down to a point where it no longer seemed to move at all. In those dungeon days, I discovered that my memories were a reconstructed edifice, in which highlights seemed to stand out, while whole

years could go by without mention in my mental ledger book.

This also holds for the history of Ethiopia—the land of SHEBA, the land of Lalibela and the Axumite obelisks—I am, of course, myself responsible for many of the taglines, the marketing ploys, if you like, that were devised and crafted in the early 1960s, to entice world travellers to our beauti-

ful land—the land of 13 months of sunshine itself!

Ethiopia has a biography, like all countries. And, as my best-read readers will know for themselves, it is only seldom that

the history enclosed in a nation's school textbooks recounts an accurate version of the events that transpired in that country. So it is, that countries, just like individuals, have their imagined perfect biographies—

the life that they would have liked to have, and not the life that they truly lived—A life in which kings were just, and history's march was unimpeded. In reality, just as any other man, even a king may not rise in the morning to be a mighty King—perhaps he has a toothache on that day? Yes, even His Imperial Majesty had his failings, I am told.

And our beautiful

country Ethiopia, as well, far from being solely a glorious relation of the lives of great men, of kings and rulers and monarchs—was also built of the mundane events, and the uneventful lives of the multitudes. I do

fisticuffs with coolies over nothing. I always was temperamental, one to boil over like milk. And yet here I am, in Marseilles, in this hospital and with my sister mopping my brow, and I can barely move, and they've cut my second leg off now, above the knee. I won't even be able to walk with crutches as they slice me up, chopping me slowly like a banana into a breakfast bowl. How will I walk? They'll have to carry me on a stretcher, to the boat, but then what, when I reach my destination, how shall I walk off the boat? I who walked so much, who rode those desert reaches of the Horn of Africa, forded swollen rivers all the while harrying my camel train servants and their slaves—yes! Their slaves! I never was one for the flesh trade, call me a prude. In Aryssinia, even a servant may own a slave to cook his food and warm his nights. A munificent land then, you tell me?

Well, they have an emperor that likes to sit on a throne and make sententious judgments about things he has never seen—he reads the Bible too much and I think he ends up believing the nonsense his priests spout about Solomon and Shebb and the lion of Judah. He lives in a straw hut plastered with mud! King of Judah indeed... He stole my cargo of guns when I took them to Ancobar. Two years' work it had been, and when I say work... Six months frying in the sands of Tadjourah waiting for the confounded French administration to give me a laissez-passer, another four months waiting for the sultan of those whereabouts (Shlem the camel herd I call him, in my heart), to slowly increase the prices of his thin beasts and rib cage showing 'warriors'. Followed by three months across some of the hottest deserts in the world; the salt pans of Assal, the malaria infested banks of the Awash

not know if countries can have toothaches but they certainly do seem to have hangovers. There were periods of my life, such as my seven-year sojourn in the prison of the Imperial Palace, when perhaps things

slowed to a crawl in the life of the country as well

So, even if I am guilty as charged of delivering many of these beautiful slogans for our country—although not guilty of the fifty-six charges of embezzlement that landed me for long years in those dungeons—I can only say that the biography that you now hold in your

hands, the life of the self-important Petros Hapte-Marvam, is no more an accurate portrayal of my life and times, than those pretty tourist clichés are when it comes to representing Ethiopia.

It is to reflect this complexity, this lack of literal truth, that I have chosen as the title of my story the same catchphrase under which Ethiopia has become famous over the last fifty years. A slogan that you will un-

derstand I am rather proud of: 13 months of sunshine.

So, dear reader, what you will find in this book, in this advent calendar, so to speak, are a few events and milestones that have been recalled and re-collected long after the events themselves transpired.

And, just as in those Ethiopian Royal Chronicles, that lurch from

battle to battle, from important date to tragic year, I hope that you will understand that, far from wanting to enlarge myself, I am simply trying to put a little personal touch on the broader canvas of Ethiopian



River and the tractations of the dirty and wiry haired Danakil of the interior who will say 'who are you?' 'The sultan didn't send word; hasn't paid us our safekeeping fee,' or make bravado comments about how 'they no longer fear the Christian dog Mencyh.'

You walk all day, harassing your slovenly servants and their deadbeat slaves and whip half-dead camels, you fry in the heat only to spend the night gripped by unknown fevers.

'Where has he gone, that violent youth who didn't like critiques,' I am told they took to asking in Paris, in Montparnasse, in those dim troquets in which they like to drink coarse absinthe, for the muse they say, but really because it blunts their fright and is dirt cheap. 'He no longer writes,' they add, 'but pushes caravans of a thousand and one slaves to the shores of the Red Sea, sent from the Negus

of Abyssinia to the Khedive of Egypt.' Fools. 'He has a... harem they call it, with ninety-nine maidens whom all speak a different tongue and whom are all equally as pleasing,' they go on to add, their absinthe addled brains full of the idle paintings of the orientalists who spend a weekend in Algiers and come back painting Sheherazades in mousseline.

I never wrote again, and this, this beyond everything, keeps their minds reeling and will do so for quite some time to come—I am sure. He squandered his talents, ceased brutally to write those heavenly poems at age twenty-one, they will say. He chose to fatigue himself, traipsing the deserts of the Horn and all in search of gold. They will mutter, shaking their heads. And those letters, those letters! To his family, so mundane, so pedestrian. So worthy of some... well, yes, some merchant with a coarse heart.

the heavens and that we will never alight from this great stone forthes Previewlking out of the desert half dead but tain country from which I can no.

0

••

0



(COSMAS-WHO-WENT-TO-INDIA) was born in a fishing village built at the foot of limestone cliffs. He spent his first years reconnoitring this pile of stone, and espying the Church of the Cross, a cult that used these vaults for its sacraments. The basalt dwellings of the village abutted these calcareous crags so that the whole was motharmonious. The end of this bed of sto

THERE'S NO PLANET 8-BUT THERE'S ALWAYS ETHIOPIA. THEV HAVE 230 MORE LETTERS IN THEIR ABUGIDA-AND A THIRTEENTH MONTH, JUST IN CASE YOU RUN OUT OF OPTIONS.'

(THE MAXIMS OF ZERA VACOB)

# THE BOOK OF ETHIOPIA PERO DA COVILHA'S HORDBOOK

A PALIMPSEST IN 33 FIDELS AND 13 MONTHS

Накрваск 378 расся 20 х 29

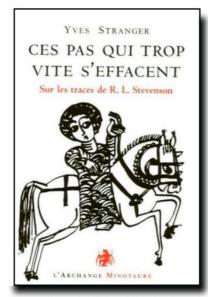
ISBN: 978-2-9581656-2-8

(Available in all Uthiopian bookshops and, accessorily, on Amazon.com)

ТНЕ ВООК ОГ ЕТНІОРІА

### COSMAS

Zera Vacob and some bathawi were feasting on bean sauce and infera "The world resembles a cylinder of sheepskin a volume carefully shelved away by a celestial hand' opined one of the monks of the monastery of Debre Bizen as he slurped his beans "The world is shaped such as the Holy Tabernacle' enounced the second cenobite who had taken his robes in the monastery of Saint Mary of Zion of fixum "Illouid you gass the sait?' politely enquired Zera Vacob "



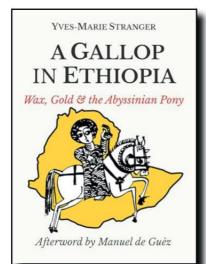
<u>Ces pas qui trop vite s'effacent, Sur la piste de Robert Louis</u> <u>Stevenson, des Cévennes aux monts d'Éthiopie</u>. L'Archange Minotaure / 2005

« C'est à B..., alors que je terminais un récit sur l'Éthiopie que je décidai d'entreprendre un second voyage, autant sur mes traces que sur celles de Robert Louis Stevenson. Je pensais qu'en arpentant le même chemin, je ne manquerais pas de faire surgir, au pas régulier d'un solide marcheur, ces souvenirs anciens. J'escomptais un règlement de la mémoire par un règlement des sens. Les échos des sentiments vécus en 1994 devaient me parvenir du fond des combes Cévenoles où ils étaient restés tapis. J'allais retrouver – c'était sûr – l'empreinte, sur les sables mouvants du passé, des pas d'un cheval blond. Échos d'un écrivain victorien et d'un sauvageon romantique maniant la littérature comme la fourche. Et peut être en aurait-t-il été ainsi si j'avais choisi une autre date de départ. En ce miroir il y eu

une fêlure. [...] C'est l'histoire d'une démarche contrariée, d'une trajectoire déviée. C'est un journal qui commence le 12 septembre 2001. »

≪ Ce petit livre très peu connu est l'un des plus beaux et des plus émouvants récits de voyage que j'aie pu lire. Car l'auteur, qui a écrit la plupart de ses autres ouvrages en anglais, maîtrise parfaitement le français, et met ainsi la langue du récit au service de sa sensibilité tout aussi remarquable. Sa mise en abîme de deux autres voyages dans celui qu'il raconte (celui de R. L. Stevenson et le sien, quand il revint, beaucoup plus jeune, chez lui avec son cheval sur les mêmes chemins) nous fait triplement voyager: dans la littérature, dans le passé de l'auteur (dont les réminiscences réveilleront chez certains lecteurs le même type de souvenirs, de sensations et de sentiments), enfin dans une France rurale en voie de disparition.

Olivier Rimbault

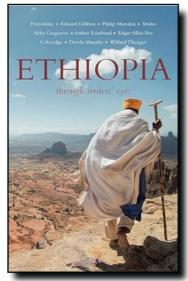


#### A Gallop in Ethiopia (Uthiopia / 2022)

A compact and vigorous book (proportionate to the short but ever ressourceful Ethiopian equine), A Gallop in Ethiopia (also available in French: Un galop en Éthiopie, la cire, l'or & le poney abyssin) is for anybody interested in Ethiopia who would like to better understand where the country is headed.

Including three interviews with people who have intimate knowledge of the country. Rahel Shawl is a well-known architect who designed many of the most iconic buildings in Addis Ababa. Beede Mekonnen is a respected businessman once jailed for the crime of being the grandson of Haile Selassie. Éloi Ficquet is a co-editor of Understanding Contemporary Ethiopia (Hurst), and a former director of the French Centre for Ethiopian Studies.

≪ A Gallop in Ethiopia is not a reference work (...) is like a spotlight, that briefly and idiosyncratically illuminates a variety of fascinating topics in turn. It is a type of autobiography, of a Frenchman, Yves-Marie Stranger, who moved almost by chance to Ethiopia in 2000, stayed, married an Ethiopian woman, and returned to France in 2016. In those years, Ethiopia underwent great change, as did Stranger himself, and he shares glimpses of his adventure with his readers.»



#### Ethiopia Through Writers' Eyes. Edited by Yves-Marie Stranger (Eland Books / 2014)

It is this intertexual play carried out on a mind's eye map, which is so fascinating to the amateur Ethiopianist, and to the visitor to Ethiopia. No country can be better grasped from the depths of an armchair, and a library is as good a place as any to make out the ancient contours of the land of Prester John, Mandeville and Rasselas, as well as the new outlines of a country that today is attempting with great vigour to shake off the modern myth it was saddled with—of Korem and the 1970s famine, of the Derg's Red Terror, and of poverty and refugee camps.

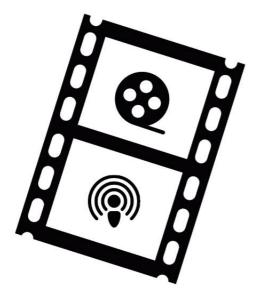
The BBC's Michael Buerk and Jonathan Dimbleby's pronouncements on Ethiopia have had as much, if not more, resonance in the modern era as all of the Classical and

Enlightenment authors put together. And yet – when Michael Buerk began his famous intervention at dawn in Korem, he too harked back to the text and the myth, when he intoned on camera those now famous words: 'Dawn, and as the sun breaks through the piercing chill of night on the plain outside Korem, it lights up a biblical famine, now, in the twentieth century.'

Including: Herodotus, Edward Gibbon, Afewerk Gebre-Yesus, Philip Marsden, Strabo, Abba Gregorios, Arthur Rimbaud, Aberra Jembere, Edgar Allan Poe, Coleridge, Dervla Murphy, Wilfred Thesiger among others.

«[Ethiopia through Writers' Eyes is] A sort of historical travel guide to a much-misunderstood country, albeit one as unreliable as any narrator; or as Stranger himself puts it in one of his illuminating essays, adapting Borges, 'one could venture to say that all countries worth their salt create their own geography – from myths, old maps, and wishful thinking.)





: The Oranges of Prester John, a film trailer.

This short takes us to the less seldom visited Birtukan sites. What is left today of the mixed culture of the Ethio-Portuguese in Ethiopia?

The Oranges of Prester John is available on Youtube.

:- The Abyssinian Syllabary podcast spells out the history of Ethiopia through a series of 33 biographical vignettes with each life corresponding to one of the main 33 symbols of the Abyssinian Syllabary – or RBUGIDA.

The Abyssinian Syllabary is available on Apple Podcasts, Spotify, Youtube and Deezer.

ከመመር አር ነው ነው። የተፈጠቀው ነው። የተፈጠቀ CELTSA ... \*\*\* A SWID I JAN 19 A BURNO ... \*\*\* A STATE A SWID I JAN 19 A BURNO ... \*\*\* A STATE A SWID I JAN 19 A SWID I JAN 1 'n Sun dad his m 10 1 - A 

ያ ይከንነታባል ጊዜ ነንሀረት ዓለም ይቪኒሀሌ ደስታወዩች ፈኒዩየሰውን ማስኞ ያገሩን መ ነ አቋርጥራት ወደ ድንኳት ነበ ፡፡፡ 2ንጉሱ ይጎንፍታ የሚኖቹንም አይ ወንድ ሚያናዋነው የምትለው ዕድያቸውም ትክክኒሉ ሰው ነው ይጀፍ ሰድ ሂደ አይታዩያም ፡፡፡ ከነዚህ ደንኳች ሽማ አጥር የህን ታስቴ አል የመድረት እነርጣና 

A (DE CAN Y PROMISE OF A PROM

ፓርሲያነም - ማቆጠጠብ "አመርድ ብለ "ያሳብቲያሳጣት እንድምል"

ECALIDDE'S ከተገኘልንሊሽ ከዚህ ብቼ እንደባቃሎችንቀመብለሁ | ፲፫ አግነዕት፤

ECALIDDE'S አማመካል እንዲመቆጠብ የመጀመር መመን የተመያመው ያለው አማመነብ የመጀመር መመን የተመያመው አማመነብ አመመነብ አመመ

